

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—संग्र 3—उप-स्वग्र (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 218] नई किल्ली, सोमबार, मई 4, 1987/वैशाख 14, 1909 No. 218] NEW DELHI, MONDAY, MAY 4, 1987/VAISAKHA 14, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ट संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में क्ला जा सको

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

जल-भूतल परिषहन मंत्राक्षय

नई दिल्ली, 21 भ्रप्रैल, 1987

प्रधिसूचना

का. घा. 457 (अ): — भारतीय अन्तर्वेशीय जलमार्ग प्राधिकरण प्रधि-नियम 1985 (1985 का 82वां) की धारा (3) की उपधारा (3) में प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय प्रशासनिक सेवा (एच वाई 66) के अधिकारी श्रीपी. ग्रार. कौशिक को 15 अप्रैल, 1987 के पूर्वीह्न से स्नागामी स्नादेणां तक भारतीय स्नन्तर्देणीय जलमार्ग प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त करते हैं।

> [43 - म्राई ङक्ल्यू टी (1)/86 - एच डब्ल्यू] बी. म्रार. चहुवाण, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

New Delhi, the 21st April, 1987

NOTIFICATION

S.O 457 (E) :—In exercise of the powers conterred by sub-section (3) of section 3 of the Inland Waterways Authority of India Act, 1985 (82 of 1985), the Central Government hereby appoints Shri P. R. Kaushik, IAS (Hy.66) as the Vice-Chairman of the Inland Waterways Authority of India with effect from the foremon of 15th April, 1987 until further orders.

B. R. CHAVAN, Jt. Secy.